Razia Sultan (1236 – 1240)

- First and only woman ruler of Delhi Sultanate
- दिल्ली सल्तनत की पहली और एकमात्र महिला शासक
- Faced opposition from nobles (Chahalgani)
- सामंतों (चहलगानी) के विरोध का सामना करना पड़ा
- 1240 – Serious rebellion broke out in Sirhind under Altuniya (governor of Bhatinda). (1240 - अल्तुनिया (भटिंडा के राज्यपाल) के नेतृत्व में सरहिंद में गंभीर विद्रोह छिड़ गया।)

- Raziya with Yaqut marched to suppress, but Yaqut was murdered and Razia imprisoned.
- रज़िया ने याकूत के साथ मिलकर दमन के लिए कूच किया, लेकिन याकूत की हत्या कर दी गई और रज़िया को बंदी बना लिया गया।
- Later Altunia married Razia.
- बाद में अल्तुनिया ने रजिया से विवाह कर लिया।
- In the meantime, Bahram (another son of Iltutmish) was pit to throne by Turkish nobles.
- इसी बीच, इल्तुतमिश के एक और पुत्र बहराम को तुर्की सरदारों ने गद्दी पर बिठा दिया।
- In 1240, Razia and Altunia were murdered near Kaithal (Haryana), under a conspiracy by the Khokhar tribe.
- 1240 में खोखर जनजाति द्वारा एक साजिश के तहत कैथल (हरियाणा) के पास रजिया और अल्तुनिया की हत्या कर दी गई।

Ruler	Reign
Qutb ud-Din Aibak	(1206-1210 AD)
Aram Shah	(1210-1211 AD)
Iltutmish	(1211-1236 AD)
Rukn-ud-din Feroze	(1236 AD)
Razia al-Din	(1236-1240 AD)
Muiz-ud-din Bahram	(1240-1242 AD)
Ala-ud-din Masud	(1242-1246 AD)
Nasiruddin Mahmud	(1246-1266 AD)
Ghiyas-ud-din Balban	(1266-1286 AD)
Muiz-ud-din Muhammad Qaiqabad	(1286-1290 AD)

1240-65

BALBAN (1266 – 1287)

- Also known as Ulugh khan
- उलुग खान के नाम से भी जाने जाते हैं।
- According to him, the Sultan was God's shadow on earth (Zil-i-Ilahi) and recipient of divine grace (Nibyabat-i-Khudai). (उनके अनुसार, सुल्तान धरती पर ईश्वर की छाया (ज़िल-ए-इलाही) और ईश्वरीय कृपा (निब्याबत-ए-खुदाई) के प्राप्तकर्ता थे।)
- He broke the power of the Forty(Chahalgani).
- उन्होंने चालीस की शक्ति को तोड़ा।
- He introduced Diwan-e-arz.(Military Dept.)
- उन्होंने दीवान-ए-अर्ज (सैन्य विभाग) की शुरुआत की।

* Balban introduced Persian Culture.
  फारसी सभ्यता !
* He introduced Nauroj (नौरोज)

  - Sijda — सिजदा
  - Paibos — पैबोस

* Balbani Coin

- Introduced Persian festival Nawrouz.
- फ़ारसी त्योहार नवरोज़ की शुरुआत की।
- Called himself Nasir-amir-ul-momin (Caliph's right-hand man)
- खुद को नासिर-अमीर-उल-मोमिन (ख़लीफ़ा का दाहिना हाथ) कहा।
- He introduced Persian culture in his court.
- उसने अपने दरबार में फ़ारसी संस्कृति की शुरुआत की।
- Sizda and Paibosh (सिज़्दा और पैबोश)
- He started Iron and blood policy.
- उन्होंने लौह और रक्त नीति शुरू की।
- Last ruler of Mamluk dynasty – Qaiqabad
- मामलुक वंश का अंतिम शासक - कैकाबाद

Khilji
1290
Manjul
Jalaluddin
Firoz Khilji
भतीजा
Ali Gurshasp
(Alauddin Khilji)

Khilji Dynasty (1290 -1320)

- Founder : Jalal ud – din Khilji (1290 – 1296)
- संस्थापक: जलालुद्दीन खिलजी (1290-1296)
- Known for mild policies and tolerance.
- अपनी सौम्य नीतियों और सहिष्णुता के लिए जाने जाते थे।

Alauddin Khilji (अलाउद्दीन खिलजी)(1296 – 1316):

- He adopted the title of Sikandar e Sani. उन्होंने सिकंदर-ए-सानी की उपाधि धारण की।
- Real name: Ali Gurshasp (वास्तविक नाम: अली गुरशस्प)
- He reformed his army. And became the first Sultan who had their Army on Salary basis.(उन्होंने अपनी सेना में सुधार किया। और वे पहले सुल्तान बने जिनकी सेना वेतन पर आधारित थी।)

Alauddin Khilji (अलौ गुरशास्प)

Title → Sikandar E-Sani

1296-1316

* Army Reformed
* Daag & Huliya
* Biswa प्रथा

* 1296-1316
8 Battles

⇒ Establishment
* Siri (Capital)
* Siri fort
* Hauz Khas
* Jamaiyat Khana मस्जिद
* Alai Minar
* Alai Darweza
* Chor Minar

- He introduced Open recruitment for army.
- उन्होंने सेना में खुली भर्ती की शुरुआत की।
- He introduced ‘Biswa’ System.
- उन्होंने 'बिस्वा' प्रणाली शुरू की।
- He introduced Daag and Huliya System.
- उन्होंने दाग और हुलिया प्रणाली शुरू की।

- He introduced Market Control System.
- उन्होंने बाज़ार नियंत्रण प्रणाली लागू की।
- He fixed the taxes on 50%.
- उन्होंने करों की दर 50% तय की।
- He proclaimed “Kingship knows no kinship”
- उन्होंने घोषणा की, "राजत्व में कोई रिश्तेदारी नहीं होती।“
- Patronized poets like-Amir Khusrau and Mir Hasan Dehlvi. (उन्होंने अमीर खुसरो और मीर हसन देहलवी जैसे कवियों का संरक्षण किया।)

* New Tax → Gharai (House Tax)
→ Charai (on Animal feeding)

→ 10 सुल्तानों का संरक्षण

Title → Tota-e-Hind

हज़ार दिनारी

- **He gave Amir Khusrau the title of Tuti-i-Hind (Parrot of India).** (उन्होंने अमीर खुसरो को तूती-ए-हिंद (भारत का तोता) की उपाधि दी।)
- **Malik Kafur was his slave – general**
- मलिक काफूर उनका गुलाम-सेनापति था।
- **He created the post of Mustakraj to collect revenue** (उन्होंने राजस्व एकत्र करने के लिए मुस्तकराज का पद सृजित किया।)

Malik Mani

Malik Kafoor

Book Padmavat
by मलिक मोहम्मद जायसी

- *1292: Malva*
- *1296: Devgiri*
- *1297: Gujarat*
- *1301: Ranthambore*
- *1303: Chittoregarh*
- *1305: Malva Again*
- *1308: Sivana*
- *1311: Jalore*

1292: मालवा
1296: देवगिरि
1297: गुजरात
1301: रणथंभौर
1303: चित्तौड़गढ़
1305: मालवा फिर से
1308: सिवाना
1311: जालौर

1316

1316-20 → Mubarak Shah Khilji